विधानमंडल मर्यादित चर्चा के केंद्र बनें जिनमे कोई व्यवधान ना हो: लोक सभा अध्यक्ष

...

विधायिका जनता की समस्याओं को हल करने का मंच है: लोकसभा अध्यक्ष

...

साइबर बुलिंग पर ऐसे कानून बनें जिनसे सभी नागरिकों की सुरक्षा एवं संरक्षा हो: लोकसभा अध्यक्ष

...

साइबर बुलिंग से हमारे किशोर और नौजवान प्रभावित हो रहे हैं: लोकसभा अध्यक्ष

...

मादक पदार्थों की समस्या के निदान हेतु सामूहिक प्रयत्नों की आवश्यकता है: लोकसभा अध्यक्ष

...

प्रौद्योगिकी की सहायता से विधायिका के काम काज को जनता तक पहुंचाया जाए: लोकसभा अध्यक्ष

...

भारतीय संसद ने भी भविष्य की तैयारी के लिए डिजिटलीकरण की ओर कदम बढ़ाया है: राज्यसभा के उपसभापति

...

आज के समय में पूर्वोत्तर क्षेत्र पॉलिटिकल प्लैटफार्म से डेवलपमेंटल प्लैटफार्म में परिवर्तित हो चुका है: सिक्किम के मुख्यमंत्री

...

लोक सभा अध्यक्ष ने गंगटोक में सीपीए इंडिया रीजन के 19वें वार्षिक जोन III सम्मेलन का उद्घाटन किया

...

नई दिल्ली; 23 फरवरी, 2023: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज गंगटोक, सिक्किम में सीपीए भारत क्षेत्र के 19वें वार्षिक जोन III सम्मेलन का उद्घाटन किया।

सिक्किम के मुख्यमंत्री, श्री प्रेम सिंह तमांग; राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश; अरुणाचल प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष और सीपीए भारत क्षेत्र जोन-III के अध्यक्ष, श्री पासंग डी. सोना ; सिक्किम विधान सभा के अध्यक्ष श्री अरुण कुमार उप्रेती; भारत के विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारी; संसद सदस्य; सिक्किम विधानमंडल के सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर गणतंत्र में चर्चा और संवाद पर जोर देते हुए श्री बिरला ने कहा कि चर्चा संवाद ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विधानमंडल, लोगों की

समस्याओं के समाधान के लिए एक मंच के रूप में, मर्यादित चर्चा संवाद के ऐसे केंद्र बनें जिनमे कोई व्यवधान ना हो। उसी दशा में हमारी जनता की लोकतंत्र में, लोकतांत्रिक संस्थाओं में आस्था बढ़ेगी, और हमारा लोकतंत्र मज़बूत होगा।

श्री बिरला ने सम्मेलन के लिए चुने गए विषयों पर बोलते हुए कहा कि “साइबर बुलिंग “आज के परिप्रेक्ष्य में अत्यंत प्रासंगिक है क्योंकि विशेष रूप से किशोर और नौजवान इससे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। श्री बिरला ने बताया कि हमारा प्रयास है कि हम ऐसे कानून बनाए जिनसे सभी नागरिकों की सब प्रकार से सुरक्षा एवं संरक्षा हो। सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग शासन में दक्षता में सुधार और लोगों के जीवन में सुधार के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन साथ ही संस्थानों और लोगों को इसके दोषों से बचाने के लिए सुरक्षा उपाय किए जाने चाहिए, श्री बिरला ने कहा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस सम्मेलन में चर्चा के बाद जो निष्कर्ष निकलेगा उससे इस समस्या के समाधान का एक बेहतर मार्ग निकलेगा।

'मादक पदार्थों का सेवन और इस समस्या से निपटने हेतु भावी योजना' पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि मादक पदार्थों के सेवन के कारण हमारे नौजवान पीढ़ी पर असर पड़ रहा है। यह समस्या मात्र पूर्वोत्तर क्षेत्र की ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की समस्या है। संसद में इस बिषय पर 20 और 21 दिसंबर 2022 को हुई विस्तृत चर्चा की जिक्र करते हुए श्री बिरला ने कहा कि इस विषय पर विस्तृत और गहन चर्चा के बाद सदन से यह बात निकली थी कि सदस्यगण पूरे देश के अंदर व्यापक जन जागरण अभियान चलाकर युवाओं में मादक पदार्थों के सेवन की बढ़ती समस्या को समाप्त करने के लिए सामूहिकता की भावना से कार्य करेंगे और नशामुक्त भारत बनाने के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जनप्रतिनिधि इस दिशा में समाज में जनजागरण करेंगे और समाज के अंदर युवाओं को सही दिशा देने का काम करेंगे।

संसद और विधानसभाओं को जनता/नागरिकों के लिए अधिक सुलभ बनाना बिषय पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि आज जिस तरह से आईटी के माध्यम से संसद और विधायिका और जनता के बीच में सक्रिय भागीदारी बढ़ी है, वह उल्लेखनीय है। लेकिन हमें और सक्रिय भागीदारी निभानी है। डिजिटल संसद का जिक्र करते हुए श्री बिरला ने कहा कि प्रौद्योगिकी की सहायता से विधायिका के काम काज को जनता तक पहुंचाया जा रहा है। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से उनके साथ संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने कानून बनाने की प्रक्रिया में लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी का आह्वान किया ताकि लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं के अनुसार कानून बनाए जा सकें।

श्री बिरला ने उत्तर पूर्वी राज्यों की आर्थिक क्षमता पर बोलते हुए कहा कि यहाँ पर्यटन की, नवीकरणीय ऊर्जा की, ऑर्गेनिक फार्मिंग के क्षेत्र में तथा हैन्डीक्राफ्ट के क्षेत्र में विशाल संभावनाएं हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसी रणनीति की परिकल्पना की जाए कि किस प्रकार हम यहाँ के लोगों के स्किल को, उनके हुनर को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार से जोड़ें ताकि इस पूरे क्षेत्र में समृद्धि आए। उन्होंने ने यह भी कहा कि हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हमारे संविधान

निर्माताओं द्वारा जिस समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर भारत का सपना देखा गया था, हम उसका निर्माण करेंगे।

श्री बिरला ने आगे कहा कि सीपीए भारत क्षेत्र का ज़ोन 3 अत्यंत महत्वपूर्ण मंच है। यह एक ऐसा सक्रिय जोन है जिसमे लगातार कई विषयों और मुद्दों पर पूर्वोत्तर क्षेत्र के विधायकों के साथ चर्चा और संवाद होता है और इस चर्चा संवाद के माध्यम से कई विषयों पर एक सर्वमान्य हल निकलता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के इन विधान मंडलों के माध्यम से और जनप्रतिनिधियों के साझे प्रयासों से इन क्षेत्रों के आर्थिक, सामाजिक जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है।

यह जिक्र करते हुए कि दुनिया ने कोविड महामारी के दौरान डिजिटल वर्ल्ड को अपनाना शुरू कर दिया था, राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश ने बताया कि भारतीय संसद ने भी भविष्य की तैयारी के लिए डिजिटलीकरण की ओर कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि विधायी निकायों के साथ जनता का संपर्क बढ़ाने के लिए नए आईटी सुधार किए जा रहे हैं। डिजिटल संसद ऐप और राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन इस दिशा में क्रांतिकारी कदम हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि एजेंडा आइटम 'संसद और विधानसभा को जनता/नागरिकों के लिए अधिक सुलभ बनाना' पर चर्चा के दौरान, प्रतिभागी एक पारदर्शी विधायिका के साथ जनसाधारण के प्रभावी संवाद की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालेंगे। सम्मेलन के दूसरे विषय 'साइबर-बुलिंग' के विषय में उन्होंने कहा कि डिजिटल रूप से सशक्त राष्ट्र बनने के लिए नई डिजिटल तकनीकों को अपनाने के हमारे मिशन का साइबर बुलिंग जैसा एक नकारात्मक पहलू भी है। साइबर बुलिंग के मामलों में भारत को एक अग्रणी क्षेत्र के रूप में दिखाने वाले वैश्विक आंकड़ों का उल्लेख करते हुए उन्होंने आशा व्यक्त की कि सम्मेलन इस उभरती चिंता का समाधान ढूंढेगा। एजेंडे के तीसरे विषय यानी 'मादक पदार्थों का सेवन और इस समस्या से निपटने हेतु भावी योजना' पर उन्होंने कहा कि पूरा देश ड्रग एब्यूज के खतरे का सामना कर रहा है। यह बताते हुए कि हम दुनिया के सबसे युवा राष्ट्र हैं, उन्होंने युवाओं को नए भारत के लिए तैयार करने के लिए इस समस्या को जड़ से खत्म करने का आग्रह किया।

सिक्किम के मुख्य मन्त्री श्री प्रेम सिंह तमांग ने इस अवसर पर सभी गण्यमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। अपने वक्तव्य में श्री तमांग ने कहा कि प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे सम्पूर्ण पूर्वोत्तर क्षेत्र ने उल्लेखनीय और दूरगामी परिवर्तन देखा हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में पूर्वोत्तर क्षेत्र पॉलिटिकल प्लैटफार्म से डेवलपमेंटल प्लैटफार्म मे परिवर्तित हो चुका है| क्षेत्र में हुए कई विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए श्री तमांग ने कहा कि मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से प्रदेश और क्षेत्र ने अभूतपूर्व प्रगति देखी जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि इसी प्रकार अन्य सभी आयामों मे प्रगति और उन्नति हो रही है| भारत सरकार की एक्ट ईस्ट नीति की सरहाना करते हुए श्री तमांग ने कहा कि इस प्रकार की नीतियां क्षेत्र के लिए वरदान साबित हुई हैं| पूर्वोत्तर क्षेत्र को प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दी गई “अष्ट लक्ष्मी” की संज्ञा के

विषय में श्री तमांग ने कहा कि इस पहल से क्षेत्र के लोगों का मनोबल और क्षेत्र की प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ा है|

अरुणाचल प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष और सीपीए जोन III के चेयरमैन श्री पासंग डी. सोना ने की-नोट अड्रेस देते हुए कहा कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ, लोक महत्त्व के मुद्दों पर प्रासंगिक चर्चा के लिए देश और दुनिया के कानून निर्माताओं को एक साथ लाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। श्री सोना ने प्रसन्नता व्यक्त की कि सीपीए भारत क्षेत्र का जोन III नियमित रूप से सम्मेलनों का आयोजन करता रहा है। उन्होंने याद किया कि पूर्वोत्तर क्षेत्र ने पिछले पच्चीस वर्षों में विभिन्न विषयों पर 19 सम्मेलन आयोजित किए हैं। श्री सोना ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र की अनूठी संस्कृति, जैव विविधता, भाषा, आदि का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर के लोग ने कई साझी चुनौतियों का सामना करते हैं; और इस प्रकार के सम्मेलन इस क्षेत्र की समस्याओं और चुनौतियों पर सामूहिक चर्चा का अवसर प्रदान करते हैं। श्री सोना ने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और साइबर बुलिंग जैसी समस्याएं वर्तमान युग के प्रमुख मुद्दों के रूप में उभरी हैं। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं पर चर्चा करना और उचित समाधान निकालना आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्राथमिक रूप से युवाओं को प्रभावित करती हैं, जो देश का भविष्य हैं।

स्वागत भाषण देते हुए सिक्किम विधान सभा के अध्यक्ष श्री अरुण कुमार उप्रेती ने सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन विधि निर्माताओं और आमजन के बीच प्रासंगिक विषयों पर ज्ञान और विद्वता के आदर्श मिश्रण होते हैं। श्री उप्रेती ने आशा व्यक्त की कि सम्मेलन से जनप्रतिनिधियों को अपने उत्तरदायित्वों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन करने का मार्गदर्शन मिलेगा।

इससे पूर्व, अपने आगमन पर श्री बिरला ने सिक्किम विधान सभा के परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।